**क्रांति समय**
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

**क्रांति समय**
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 303, सोमवार, 03 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### ठंड बढ़ी, श्रीनगर में पारा शून्य से नीचे, शनिवार इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात

**एजेंसी, श्रीनगर।** जम्मू कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और श्रीनगर में शनिवार की रात इस मौसम की सबसे सर्द रात रही। घाटी और लद्दाख क्षेत्र में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने यहां बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में शनिवार की रात अब तक की सबसे सर्द रात रही। इससे पहले इस मौसम में सबसे कम तापमान सात नवंबर को शून्य से नीचे 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि कल रात पूरी घाटी में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया था। सालाना अमरनाथ यात्रा में आधार शिविर के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के लद्दाख क्षेत्र में आने वाले लेह में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 9.3 डिग्री सेल्सियस और करगिल में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर में लेह सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बने रहने की संभावना जताई है। वहीं मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के ज्यादतर इलाको में ठंड का असर दिखने लगा है।

### शिरडी साईंबाबा ट्रस्ट ने बिना ब्याज के महाराष्ट्र सरकार को दिए 500 करोड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में शिरडी में साईं बाबा की समाधि का प्रबंधन करने वाली संस्था श्री सांईबाबा संस्थान ट्रस्ट एक बांध से नहरों का नेटवर्क बनाने के लिए 500 करोड़ रूपये प्रदान करेगी। प्रवरा नदी पर निलवंडे बांध बना है और इससे नासिक में सिन्नर और अहमदनगर जिले में संगमनेर, अकोले, रहाता, राहुरी और कोपरगांव तहसील के 182 गांवों के लाभान्वित होने की उम्मीद है। ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार के गोदावरी-मराठवाड़ा सिंचाई विकास निगम के साथ इस संबंध में सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने बताया, ''ट्रस्ट परियोजना के लिए 500 करोड़ रूपये प्रदान करेगा लेकिन इस पर ब्याज नहीं लगाया जायेगा। हालांकि उन्होंने इसके भुगतान का विवरण देने से इंकार कर दिया।

### राजधानी में चल रही हजारों अवैध प्रयोगशालाएं : मनोज तिवारी

**नई दिल्ली।** राजधानी में चल रही अनधिकृत जांच प्रयोगशालाओं को लेकर प्रदेश भाजपा ने शनिवार को केजरीवाल सरकार पर हमला बोला। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने इसके लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि दिल्ली में क्लीनिकल इस्टेबलिशमेंट एक्ट-2010 लागू हो गया होता, तो इन अनधिकृत जांच प्रयोगशालाओं पर आसानी से रोक लगाई जा सकती थी। राजधानी में केवल 130 प्रयोगशालाएं ही अधिकृत हैं। जबकि हजारों की संख्या में प्रयोगशालाएं चल रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने जारी बयान में कहा कि यह अनधिकृत प्रयोगशालाओं में गलत जांच की जा रही है।

*चंडीगढ़ में शनिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को मॉडल जेल का मोमेंटो भेंट करते पुलिस अधिकारी। साथ में हैं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर।*

### सिद्धू व पंजाब सरकार की बर्खास्तगी की मांग

## यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने अपनी मांगों का एक ज्ञापन राष्ट्रपति व कांग्रेस अध्यक्ष को प्रेषित किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पंजाब सरकार के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू की तत्काल बर्खास्तगी व उन पर देशद्रोह का मुकदमा लगाने तथा पंजाब की कांग्रेसी सरकार को भी तत्काल भंग करने की मांग को लेकर यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट की दिल्ली इकाई ने शनिवार को जंतर-मंतर पर धरना दिया। इस मौके पर अपनी मांगों से सम्बंधित एक ज्ञापन राष्ट्रपति व कांग्रेस अध्यक्ष को प्रेषित किया गया। कार्यकर्ताओं का नेतृत्व फ्रंट के दिल्ली प्रदेश प्रभारी चौ. ईर पाल सिंह ने किया। धरना में प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र बेदी सहित भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता ''गुरू ठोको ताली - सिद्धू बन गया खालिस्तानी' खालिस्तान समर्थक सिद्धू सिख समुदाय के लिए कलंक हैं, पाकिस्तानी पिद्दू सिद्धू हाय-हाय आदि नारे लगाकर सिद्धू व पंजाब सरकार की बर्खास्तगी की मांग कर रहे थे। पंजाब सरकार के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधते हुए फ्रंट के कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि पाकिस्तान में इमरान खान के प्रधान मंत्री पद की शपथ ग्रहण समारोह में नवजोत सिंह सिद्धू का जाना और वहां के आर्मी चीफ से गले मिलने से आरम्भ हुआ प्रेम का यह सिलसिला अब काफी बढ़ चुका है। अब तो वे खालिस्तान की मांग करने वाले गोपाल चावला के साथ पाकिस्तान में फोटो सेशन करवाकर यह साबित कर रहे हैं कि उन्हें व उनकी पार्टी को भारत की अखंडता व भारत के लिए अपनी जान देने वाले जांबाज सैनिकों से ज्यादा पाकिस्तानी व खालिस्तानियों से ज्यादा प्यार है।

उन्होंने कहा कि इस देश की रक्षा के लिए सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी से लेकर सभी गुरुओं ने भारत वर्ष के लिए बलिदान दिया है, लेकिन सिद्धू ने पाकिस्तानी सेना व खालिस्तानियों का उत्साह बढ़ाकर जो कृत्य किया है उससे सिख समुदाय का तो अपमान हुआ ही है।

## मां-बाप की भावुक पुकार सुन आतंकवाद को किया अलविदा, फिर से बन गया आम इंसान

**श्रीनगर, एजेंसी।** माता-पिता की भावुक अपील के बाद नोएडा के एक विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा जम्मू कश्मीर का छात्र एहतेशाम बिलाल रविवार दोपहर को घर लौट आया। उसके प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ जम्मू कश्मीर (आईएसजेके) में शामिल होने की खबरें आई थीं। जम्मू कश्मीर पुलिस ने किसी का नाम लिए बगैर एक ट्वीट कर कहा, ''परिवार और पुलिस की मदद से एक व्यक्ति मुख्यधारा में लौट आया। विस्तृत जानकारी का इंतजार करें। श्रीनगर के खानयार का रहने वाला 20 वर्षीय एहतेशाम सोशल नेटवर्किंग साइट पर काली पगड़ी और काला पठानी सूट पहने दिखाई दिया था। उसके सीने पर विस्फोटक बंधे थे तथा पीछे इस्लामिक स्टेट का झंडा दिखाई दे रहा था। वह अक्टूबर के मध्य में नोएडा में विश्वविद्यालय से लापता हो गया था। उसके लापता होने की खबर से परिवार हैरान हो गया था और उन्होंने उसे लौटने के लिए राजी करने के वास्ते हर दरवाजा खटखटाया।

पुलिस ने उनके बेटे की वापसी के लिए हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। हाथ जोड़े हुए परिवार के सदस्यों की तस्वीरें स्थानीय अखबारों में प्रकाशित हुई जिसमें एहतेशाम से ''कम से कम अपने माता-पिता के शव को कंधा देने के लिए घर लौटने की अपील की गई जिसके बाद युवक अपने घर लौट आया। उसके माता-पिता ने आतंकवादी संगठन से उनके बेटे को भेजने की भावुक अपील की थी।

## सेना भर्ती रैली : कुशीनगर के 4 हजार युवकों ने किस्मत आजमाई, किस दिन कहां आयोजन

**अयोध्या, एजेंसी।** भारतीय थल सेना का अंग बन कर देश सेवा करते हुए देश के लिए कुछ कर गुजरने का सपना लिए अयोध्या सेना छावनी में शुरू हुई भर्ती रैली में रविवार को कुशीनगर जिले के 3902 अभ्यर्थियों ने किस्मत आजमाई। एआरओ अमेठी के भर्ती निदेशक कर्नल एनएस मान ने बताया कि भर्ती रैली में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जा रही है।

पहले दिन हुई भर्ती प्रक्रिया में कुशीनगर के अभ्यर्थियों ने पूरा सहयोग किया और शांतिपूर्ण माहौल में कुशीनगर जनपद की भर्ती रैली सम्पन्न हुई। भर्ती रैली में पुलिस अधिकारी, पुलिस बल स्थानीय प्रशासन सहित शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा। एआरओ अमेठी के तत्वावधान में यहां डोगरा रेजीमेन्टल सेन्टर के भर्ती मैदान पर आयोजित सेना भर्ती रैली के पहले दिन रविवार को कुशीनगर जनपद के अभ्यर्थियों की भर्ती हुई।

भर्ती रैली में सोल्जर जीडी, सेल्जर टेक्निकल, सोल्जर क्लर्क आदि पदों के लिए कुशीनगर के 5711 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन करवाया था, इसमें से 4568 अभ्यर्थी भर्ती के लिए उपयुक्त पाए गए। रविवार को सेना भर्ती रैली के पहले दिन नामांकित अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3902 अभ्यर्थी दौड़ में शामिल हुए। इनमें से निर्धारित समय में दौड़ पूरी करने वाले महज 327 अभ्यर्थी दौड़ में सफल हो अगले चक्र के लिए चयिनत किए गए।

दौड़ में शामिल युवकों में निर्धारित समय में दौड़ पूरी कर सफल रहे अभ्यर्थी अगले चक्र के लिए चयनित किए गए। दौड़ में सफल रहे अभ्यर्थियों

का फिजिकल टेस्ट हुआ। फिजिकल टेस्ट के बाद डाक्यूमेन्टेशन हुआ। इस सब प्रक्रिया में सफल रहे अभ्यर्थी अगले चक्र मेडिकल टेस्ट के लिए चयनित किए गए। भर्ती के दौरान भर्ती स्थल पर एआरओ अमेठी के भर्ती निदेशक कर्नल मान सहित एआरओ आगरा के भर्ती निदेशक एसएम कर्नल बी विजय कुमार, एआरओ वाराणसी के भर्ती निदेशक कर्नल आरएस ठाकुर सहित सैन्य अधिकारी सैन्य कर्मी सेना भर्ती में सहयोग करते रहे। वहीं पुलिस प्रशासन के सीओ सदर वीरेन्द्र विक्रम, एसओ कैन्ट आरके राणा सहित पुलिस बल तथा शिक्षा विभाग के परमजीत निषाद, अफसर अकील खान, जावेद अहमद खान, एसएचए मलिक, शाहिद जमाल अशरफ जयेन्द्र पाठक व सुरेन्द्र प्रताप सिंह भर्ती प्रक्रिया में सहयोगी रहे। कर्नल मान ने बताया कि सोमवार को संतकबीर नगर व बस्ती जनपद के अभ्यर्थियों की भर्ती होगी। इसमें सोल्जर जीडी, सेल्जर टेक्निकल, सोल्जर क्लर्क आदि पदों के लिए अभ्यर्थी भर्ती में शामिल होंगें। एआरओ अमेठी के भर्ती निदेशक कर्नल एनएस मान ने बताया कि सेना भर्ती रैली में तीन दिसम्बर मंगलवार को संतकबीर जनपद तथा बस्ती जनपद के अभ्यर्थियों की भर्ती होगी।

इसी तरह चार दिसम्बर को इलाहाबाद जनपद, पांच दिसम्बर को प्रतापगढ़ जनपद के अभ्यर्थियों की भर्ती होंगी। सात दिसम्बर को महाराजगंज जनपद व अंबेडकर नगर जनपद, आठ दिसम्बर को सिद्धार्थ नगर व सुलतानपुर जनपद, नौ दिसम्बर को रायबरेली जनपद, 10 दिसम्बर को अमेठी, रायबरेली, कौशाम्बी जनपद के अभ्यर्थियों की भर्ती होंगी। 11 दिसम्बर को अयोध्या जनपद व वाह्य अभ्यर्थी भर्ती में शामिल होंगे।

### 20 साल पहले रेलवे की परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया था

## मुआवजा नहीं देने पर ट्रेन के इंजन को जब्त करने का आदेश

**अब तक नहीं दिया गया है मुआवजा**
**20 साल पहले रेलवे की परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया था**
**अब तक नहीं दिया गया है मुआवजा**

**कांचीपुरम, एजेंसी।** रेलवे की एक परियोजना के लिए बीस साल पहले हुए एक जमीन के अधिग्रहण का लोगों को मुआवजा देने में विफल रहने पर यहां की एक स्थानीय अदालत ने ट्रेन के इंजन और कलेक्टरेट के दो वाहनों को जब्त करने का आदेश सुना दिया। कांचीपुरम की इस अदालत के अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन पर जाकर एक यात्री ट्रेन के इंजन को जब्त करने की कोशिश भी की। दरअसल करीब 20 साल पहले रेलवे की एक परियोजना के लिए यहां जमीन का अधिग्रहण किया गया था लेकिन उसका मुआवजा अब तक नहीं दिया गया है।

निचली अदालत के आदेश को पूरा करने के लिए उसके अधिकारी याचिकाकर्ताओं के साथ शुक्रवार को रेलवे जंक्शन पहुंचे और तिरुपति-पुडुचेरी फास्ट पैसेंजर ट्रेन के इंजन को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। रेलवे परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का यह मामला 1999 का है। यहां की स्थानीय निवासी मुमताज बेगम और अन्य की जमीन अधिग्रहित की गई थी। बेगम और अन्य ने इस संबंध में अधिक मुआवजे की मांग के लिए अदालत से संपर्क किया था।

जब राज्य प्रशासन ने बढ़ा हुआ मुआवजा संबंधित लोगों को नहीं दिया तो याचिकाकर्ताओं ने कांचीपुरम की उप-अदालत में याचिका दायर की। इसके बाद उप अदालत ने रेलवे और राज्य सरकार की चल संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया। अदालत ने अपने आदेश में कांचीपुरम जंक्शन से गुजरने वाली तिरुपति-पुडुचेरी फास्ट पैसेंजर ट्रेन के इंजन और जिला कलेक्टर की दो कारें, टेबल, कुर्सी और चार कंप्यूटर भी जब्त करने का आदेश दिया। हालांकि दक्षिणी रेलवे के अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मुआवजे के लिए राज्य सरकार को पांच करोड़ रपए की राशि दी जा चुकी है।

अधिकारी ने कहा, हम सीधे तौर पर भुगतान नहीं करते, यह मामला राज्य के राजस्व अधिकारियों से जुड़ा है।

## कुशवाहा का बीजेपी पर तंज : जब नाश मनुष्य पर छाता है तो विवेक मर जाता है

**मोतिहारी ■ एजेंसी**

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को इशारों ही इशारों में बीजेपी पर फिर निशाना साधा है। कुशवाहा ने कहा है कि जब नाश मनुष्य पर छाता है तो पहले विवेक मर जाता है।

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में आरएलएसपी के एक नेता की हत्या के बाद उनके परिजनों से मिलने पहुंचे कुशवाहा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए इशारों ही इशारों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह पर निशाना साधा। पत्रकारों द्वारा

**सीट बंटवारे पर एनडी को दिया था 30 नवंबर तक का अल्टीमेटम**

लोकसभा चुनाव के सीट बंटवारे को लेकर दोनों नेताओं द्वारा समय नहीं दिए जाने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि 'उन्होंने क्यों समय नहीं दिया, इसका उत्तर तो वही दे सकते हैं लेकिन दिनकर के शब्दों में- जब नाश मनुष्य पर छाता है तो पहले विवेक मर जाता है।'

उन्होंने कहा कि आगामी 4 दिसंबर से 6 दिसंबर तक पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकि नगर में पार्टी का चिंतन शिविर आयोजित किया गया है। यहां कार्यकर्ताओं की राय जानने के बाद पार्टी अगले कदम की घोषणा करेगी। उल्लेखनीय है कि काराकाट के सांसद कुशवाहा ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर 30 नवंबर तक का अल्टिमेटम दिया था। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगा था।

**बयान** किसानों की खुदकुशी पर बोले हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़

## कौन कर्जदार नहीं, गम मन में न रखें

### मौजूदा समय में आर्थिक व्यवस्था ही कर्ज की

**रोहतक ■ एजेंसी**

हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने किसानों की खुदकुशी पर विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने गम को मन में नहीं रखना चाहिए था, घरवालों और पड़ोसी को बताना चाहिए था। पत्नी और बच्चों को बताना चाहिए था। किसानों के कर्जदार होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कर्जदार कौन नहीं है? क्या नेताओं पर कर्ज नहीं है? क्या पत्रकारों पर कर्ज नहीं है? मौजूदा समय में आर्थिक व्यवस्था ही कर्ज की है। लोन इस जमाने की जरूरत है। किसानों की खुदकुशी का जिक्र आते ही उन्होंने बाबा फरीद का दोहा सुना दिया। वह बोले, 'उठ फरीदा जिक्र कर। फिकर करेगा आप। जिसका अर्थ है कि हे मनुष्य, तू फिक्र मत किया कर। कुछ करना है तो सद्गुरु का जिक्र 100 बार

कर, यह तेरा काम है। जिक्र करना यानी ईश्वर का स्मरण करना, भजन करना। तेरी फिक्र करना सद्गुरु का काम है। जब तू उसे याद करेगा तो वो मालिक भी तेरी फिक्र या चिंता करेगा।

ओमप्रकाश धनखड़ शुक्रवार को यहां बीजपी ऑफिस में बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों ने खुड्डन गांव के एक किसान की खुदकुशी से जुड़ा सवाल उनसे किया।

दरअसल किसान प्रकाश ने खेत में बरसाती पानी की निकासी न होने पर खुदकुशी कर ली थी। बरसाती पानी से उनकी 5 एकड़ धान की फसल खराब हो गई थी। खुड्डन गांव धनखड़ के विधानसभा क्षेत्र में आता है। धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस ने निगम चुनाव से पलायन कर लिया है। कांग्रेस सिंबल पर चुनाव लड़ने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाई। उन्होंने 5 निगम चुनावों में बीजेपी की जीत का दावा किया।

दखल

# आतंकी हमला बड़ी साजिश का अंग

निरंकारी मिशन के सत्संग पर हमले के बाद यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि पंजाब को ठीक 1980 के दशक के भयावह दौर में ले जाने की साजिशें रची जा चुकी हैं। हमले का स्थान और समय बताता है कि यह बिल्कुल सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। केंद्र सरकार पंजाब और पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियोंके साथ खुफिया एजेंसियों की बैठक बुलाकर पूरी स्थिति का आकलन करे तथा सुरक्षा ऑपरेशन की योजना बनाए।

**देश** के जिन लोगों ने 1980 के दशक में पंजाब के भयावह आतंकवाद के दृश्य देखे हैं उनका दिल निश्चय ही अमृतसर के राजासांसी क्षेत्र के अदलीवाल गांव के निरंकारी भवन पर हुए हमले से दहल गया होगा। इसे आतंकवादी हमले के अलावा और कुछ कहा ही नहीं जा सकता। कोई एक व्यक्ति निशाने पर होता तो हमले को दूसरे नजरिए से देखा जा सकता था। यहां पूरा समूह निशाने पर था। रविवार को निरंकारी भवनों में अनुयायी एकत्रित होते हैं और सत्संग चलता है। सत्संग के बीच बाइक सवार तीन युवक आएं और बम चलाकर भाग जाएं तो साफ है कि वो निश्चित उद्देश्य के तहत निरंकारी लोगों की हत्या करना चाहते थे। इस घटना में कम लोगों की जान गई और घायल होने वालों की संख्या ज्यादा नहीं थी इस आधार पर इसकी भयावहता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। 1980 के दशक में खालिस्तानी आतंकवादी ऐसे ही बाइकों पर नकाबपोश के रूप में आकर हमले करते थे। इसलिए यह तरीका भी भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। पंजाब पुलिस अपने बचाव में जो भी तर्क दे लेकिन यह स्थान अमृतसर शहर से केवल सात किलोमीटर दूर है। अमृतसर स्टेशन से इसकी दूरी 13.7 किलोमीटर तथा पाक सीमा से 17-18 किलोमीटर है। इसलिए इसे दूरस्थ गांव नहीं माना जा सकता।

पंजाब पुलिस का अधिकृत बयान है कि उनके पास इस संभावित खतरे को लेकर कोई इनपुट नहीं था। निरंकारी समाज को लेकर किसी भी तरह का मुद्दा नहीं था और न ही ऐसा कोई इनपुट पुलिस के पास था। यह बयान स्वीकार्य नहीं है। क्या पुलिस के पास ऐसी सूचना होगी कि फलां संस्थान और फलां जगह हमला होगा तभी उसे सटीक इनपुट माना जाएगा? धार्मिक स्थलों पर हमले का इनपुट तो था। कुछ ही दिनों पहले थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि पंजाब में आतंकवादी शक्तियां फिर सिर उठा रही हैं और तुरत कार्रवाई नहीं की गई तो कठिनाइयां बढ़ जाएंगी। सेना प्रमुख बिना पुष्ट सूचना के इतनी बड़ी बात सार्वजनिक तौर पर नहीं बोल सकते। जाहिर है, पंजाब पुलिस ज्ञात तथ्य को छिपाने का प्रयास कर रही है। हमले के तीन दिनों पहले खबर आई थी कि खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली पुलिस को इनपुट भेजा है कि कश्मीर का खूंखार आतंकी जाकिर मूसा अपने साथियों के साथ पंजाब के रास्ते दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पनाह ले सकता है। इनपुट में कहा गया था कि जैश-ए-मोहम्मद के छह-सात आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे हैं। सीमा पार से छह-सात आतंकवादियों के पंजाब में घुसने की खबर भी थी। जाकिर मूसा के अमृतसर में देखे जाने की खबर आई थी। पंजाब से अचानक उसकी एक तस्वीर वायरल हो गई थी।

खुफिया ब्यूरो को इनपुट मिला था कि जाकिर मूसा गिरोह के सात आतंकी फिरोजपुर आए थे। पठानकोट जिले के माधोपुर के नजदीक ड्राइवर की हत्या कर एसयूवी कार छीनने वाले चार लोग अभी तक फरार हैं। पंजाब पुलिस ने ही बताया था कि ये चार आतंकवादी मंसूबों को अंजाम देने के लिए पंजाब में घुसे हैं। ये चारों संदिग्ध जम्मू रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में भी नजर आए थे। दिल्ली से सुरक्षा एजेंसियों ने पांच संदिग्ध आतंकवादियों की तस्वीरें पंजाब के पुलिस महानिदेशक सुरेश अरोड़ा को मेल की गई थीं। इन सब सूचनाओं के बाद ही पिछले कई दिनों से पंजाब में हाईअलर्ट था। पिछले दिनों जालंधर से शबनमदीप सिंह नामक खालिस्तानी आतंकवादी गिरफ्तार हुआ था। इसने पाकिस्तान की साजिशों के बारे में बताते हुए कहा था कि दीपावली से पूर्व हमले की योजना है। इसके बाद आखिर पुलिस को क्या इनपुट चाहिए था? जालंधर में ही एक कश्मरी युवक ग्रेनेड के साथ पकड़ा गया था। इतना ही नहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ पंजाब पुलिस ने हाल ही में पंजाब के संस्थानों में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों के दो गिरोहों का पर्दाफाश किया था, जिनके संबंध कश्मीरी आतंकी संगठनों से थे। जिन आतंकवादियों के पाकिस्तान से पंजाब में सड़क मार्ग से फिरोजपुर में घुसने की आशंका थी उनकी तलाशी अभियान चल रहा था।

यह खबर भी लंबे समय से थी कि लंदन से कनाडा तक के खलिस्तान समर्थक पंजाब में फिर से हिंसा और अशांति की स्थिति पैदा करने के लिए सक्रिय हैं तथा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अपने स्तर पर काम कर रही है। 18 महीनों में स्वयं पंजाब पुलिस ने 15 से ज्यादा आतंकवादी मॉड्यूल को नष्ट करने का दावा किया है। अगर आपने 15 मॉड्यल पकड़े तो निश्चय ही ऐसे अनेक मॉड्यूल छिपे हुए होगे। आतंकियों ने तो बयान जारी कर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह एवं सेना प्रमुख जनरल रावत को जान से मारने की धमकी दे रखी है। इन सबके बाद कैसा इनपुट चाहिए यह समझ से परे है। 12 अगस्त को लंदन के सिख्ख फार जस्टिस के बैनर से 2020 सिख्ख जनमत संग्रह रैली निकाली गई। इसमें खालिस्तानी उग्रवादी समूहों के बचे आतंकवादियों को संदेश निहित था कि आप सक्रिय हो, आपके साथ बड़ा समुदाय खड़ा है। यह अलग बात है कि इनसे बड़ी संख्या में सिखों ने ही लंदन में विरोध में रैली निकालकर करारा जवाब दे दिया। किंतु इससे इन दुष्ट समूहों की सक्रियता का पता तो चल गया। इसलिए ऐसे हमले की आशंका नहीं होने के किसी बयान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत विरोधी खालिस्तानी समूह भाड़े के हत्यारों से बीच-बीच में अलग-अलग संगठनों की हत्याएं करवा रहे थे। आरएसएस के नेताओं की हत्या का उद्देश्य यह था कि इससे हिंदू गुस्से में सिखों से लड़ें और प्रदेश सांप्रदायिक दंगों की चपेट में आ जाए। ठीक यही दृष्टिकोण निरंकारी अनुयायियों पर हुए हमले में भी देखा जा सकता है। बाबा बूटा सिंह द्वारा 1929 में स्थापित निरंकारी मिशन के दुनिया में एक करोड़ से ज्यादा अनुयायी हैं। पंजाब के तरनतारन, गुरदासपुर, मोगा, लुधियाना, पठानकोट सहित अनके स्थानों पर निरंकारी अनुयायियों की बड़ी संख्या है। ठीक सत्संग के समय हमला करने का सीधा उद्देश्य यही हो सकता है कि ये गुस्से में हिंसा आरंभ कर दें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि 40 वर्ष पूर्व 13 अप्रैल 1978 को वैसाखी के दिन अमृतसर में निरंकारी भवन पर हुए हमले के बाद पंजाब हिंसा की चपेट में आ गया था और भिंडरावाले वहीं से एक वर्ग में लोकप्रिय हुआ। हमले के बाद अकाली कार्यकर्ताओं और निरंकारियों के बीच हिंसक संघर्ष हुआ जिसमें 13 अकाली कार्यकर्ता मारे गए थे। इसके विरोध में रोष दिवस मनाया गया। जरनैल सिंह भिंडरावाले ने इसको उग्र रूप दिया और उसके बाद क्या हुआ हम सब जानते हैं।

पंजाब के आतंकवाद पर काम करने वाले कई विद्वान मानते हैं कि अगर वह हमला न हुआ होता तो भिंडरावाले और उसके साथी एक वर्ग के हीरो बनकर नहीं उभरते एवं उस प्रकार के भयावह चरमपंथ का आविर्भाव नहीं होता। तो पंजाब को हिंसा की आग में झोंकने के हाल के वर्षों के सारे प्रयासों, आतंकियों से संबंधित इनपुट, गिरफ्तारियां, आतंकवादी मॉड्यूल को विफल करने तथा अंततः निरंकारी मिशन के सत्संग पर हमले के बाद यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि पंजाब को ठीक 1980 के दशक के भयावह दौर में ले जाने की साजिशें रची जा चुकी हैं। हमले का स्थान और समय बताता है कि यह बिल्कुल सुनियोजित साजिश का हिस्सा है।

**अवधेश कुमार**
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

# अब बदलनी होगी बाल गृहों की छवि

बिहार व उत्तरप्रदेश के मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने देशभर के 539 बाल गृहों को बंद कर दिया है। ये सभी गृह अनियमित तरीके से चलाए जा रहे थे। सवाल है कि प्रशासनिक मशीनरी अपनी जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभाने में विमुख क्यों हो जाती है?

बिहार में यौन उत्पीड़न के सनसनीखेज मामलों के उजागर होने की पृष्ठभूमि में देशभर के बालगृहों की जांच के दौरान अनियमितताएं सामने आने पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने देशभर में कुल 539 बाल गृहों (सीसीआई) को बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में 377 बालगृहों को बंद किया गया, जो सभी राज्यों और केंद्र प्रशासित राज्यों में सर्वाधिक है। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 78 और तेलंगाना में 32 बालगृह बंद कर दिए गए हैं। बिहार के एक आश्रय गृह में 34 नाबालिग बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना सामने आने के बाद मंत्रालय ने अगस्त में राज्यों को अपने सभी बालगृहों की जांच के निर्देश दिए थे। जांच में पाया गया था कि करीब 539 बालगृह नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं या पंजीकृत नहीं हैं। सरकार ने भले ही 539 बाल गृहों को बंद कर बच्चों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध करा दिया है, मगर क्या जिला प्रशासन के अफसरों की जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए। जिन जिलों में इस तरह के बाल आश्रय गृह संचालित हो रहे थे, वहां के अफसरों ने अब तक संज्ञान क्यों नहीं लिया।

देशभर में दो तरह के बाल गृह हैं। एक वे जो पंजीकृत तो हैं, मगर उनके यहां बच्चों के लिए सुविधा तक नहीं है। दूसरे वे जो पंजीकृत नहीं हैं। ऐसे गृहों से बेहतर सुविधा की उम्मीद तक बेमानी है। बिहार का मामला सामने नहीं आया होता और केंद्र सरकार ने संजीदगी नहीं दिखाई होती तो ये बाल गृह आज भी बच्चों का शोषण कर रहे होते और हम-आप अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े बदरंग तस्वीर पर चौड़े हो रहे होते। इन बाल आश्रय गृहों की सच्चाई सामने आने के बाद सिर्फ राज्य सरकारों और जिला प्रशासन ही नहीं समाज को भी कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। किसी भी अच्छी या बुरी घटना का सीधा संबंध सबसे पहले समाज से होता है। सरकार व प्रशासन की भूमिका बाद में सामने आती है। अगर इस मसले पर समाज अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा पाया, तो आश्रय संचालकों को दोष देने से क्या फायदा? केवल कुछ लोगों को गिरफ्तार करने से काम नहीं चलेगा और न ही यह बुराई समाप्त होगी।

बिहार और उत्तर प्रदेश में बेसहारा बच्चियों के लिए चलाए जा रहे आश्रय स्थलों से उजागर हुए यौन-उत्पीड़न के मामलों से साफ है कि उनके संचालन में भ्रष्टाचार गहरे पैठ बनाए हुआ था। हैरानी की बात यह है कि लंबे समय से इस तरह की गतिविधियां चलने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमों और उनके अधिकारियों को उनमें कुछ भी गलत होता नहीं दिखा। सवाल है कि अगर यह सोशल ऑडिट का काम नहीं हुआ होता तो क्या वहां वे गतिविधियां पहले की तरह चलती रहतीं? किसी गैरसरकारी संगठन के जरिए संचालित उन आश्रय स्थलों की निगरानी और जांच-पड़ताल क्या उन सरकारी महकमों का दायित्व नहीं है, जो उन संस्थाओं को आर्थिक मदद मुहैया कराते हैं?

# ट्रेनों में लफंगों से मिले मुक्ति

ट्रेन या बस में सफर के दौरान कई बार हमारा सामना ऐसे तथाकथित यात्रियों से हो जाता है, जो न सिर्फ बेसुरी आवाज में गाना गाकर पैसे वसूलते हैं, बल्कि सफर को मुश्किल भी बनाते हैं। ऐसे यात्रियों को रोकने के लिए ट्रेनों में सुरक्षा बन तैनात रहता जरूर है, मगर यात्रियों को कोई खास राहत नहीं मिल पाती। ट्रेनों में किन्नरों के प्रवेश को रोकने को लेकर रेलवे कई बार दावा कर चुका है, मगर धरातल पर सब शून्य है।

**भारतीय** नागरिकों को अपनी दिनचर्या में आए दिन ऐसी-ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जिससे यह अहसास होता है कि सभी कायदे-कानून व पाबंदियां संभवतः कानून का पालन करने वाले शरीफ, सज्जन, मेहनतकश व ईमानदार लोगों के लिए ही हैं और यदि कोई शरीफ व्यक्ति किन्हीं अपरिहार्य परिस्थितियों में नियम व कानून से हटकर कोई कदम उठाता भी है तो प्रशासन व कानून उसे उसके किए की सजा देता ही है। परंतु ठीक इसके विपरीत ऐसा भी देखा जाता है कि हमारे ही समाज में पलने वाले कई लुच्चे-लफंगे भिखारी वेशधारी तथा मवाली किस्म के लोग दिन-रात नियम और कानूनों का उल्लंघन करते रहते हैं। ऐसे लोग शरीफ, सज्जन तथा कानून का पालन करने वालों के लिए सिरदर्द बनते हैं। उनकी सुरक्षा को भी चुनौती देते हैं। परंतु इन सबके बावजूद प्रशासन तथा कानून ऐसे लोगों की तरफ से अपना मुंह फेरे रहता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि नियम-कानून का पालन करना क्या केवल सज्जन एवं शरीफ लोगों का ही फर्ज है? क्या वजह है कि कानून का पालन न करने वालों को तो कानून उल्लंघन की छूट दी जाती है जबकि एक शरीफ व्यक्ति उसी जुर्म में जुर्माने या जेल जाने तक की नौबत पर पहुंच जाता है।

उत्तर भारत में हम रेलगाड़ियों के माध्यम से कहीं भी चले जाएं आपको चलती ट्रेन में किन्नर वेशधारी, भिखारी या गाने बजाने वाले लोग जरूर मिलेंगे। यह लोग अपने निर्धारित रूट पर सुबह से शाम तक रेलगाड़ियों में यात्रा करते हैं तथा अनैच्छिक रूप से किसी भी यात्री के सिर पर खड़े होकर ढोल और डफली तक पीटने लगते हैं तथा गला फाड़कर चिल्लाना शुरू कर देते हैं। इन्हें इस बात की भी फिक्र नहीं होती कि यात्रा करने वाला कोई व्यक्ति सो रहा है या उनका गाना नहीं सुनना चाहता। स्वयं को किन्नर बता कर रेल यात्रियों से ठगी करने वाले लोग तो कई बार किसी यात्री द्वारा पैसे न देने पर यात्री के मुंह पर तमाचा जड़ देते हैं। हमारी व्यवस्था के लिए यह कितनी बड़ी चुनौती और अभिशाप है कि एक टिकटधारी शरीफ यात्री के गाल पर वह व्यक्ति तमाचा मारता है जिसने न तो कोई टिकट ले रखा है न ही उसके पास ट्रेन में भीख मांगने का अधिकार पत्र हासिल है।

ऐसे ही तमाम गेरुआ वस्त्रधारी लोग भी अपने भगवे लिबास को ही रेलवे का यात्रा पास मानकर पूरे देश में आते-जाते रहते हैं और न केवल सीटों पर कब्जा जमाए रहते हैं बल्कि प्रवेश व निकासी द्वार पर भी अड़े बैठे रहते हैं जिससे ट्रेन में चढ़ने एवं उतरने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार इन्हीं भगवा वस्त्रधारी भिखारियों को चलती ट्रेन में बिना किसी भय व लिहाज के खुल्लम खुला शराब पीते व सिगरेट का धुंआ उड़ाते भी देखा जा सकता है। ठीक इसके विपरीत कोई भी जिम्मेदार, शरीफ नागरिक ऐसी हरकत नहीं कर सकता है और यदि कर भी दे तो पुलिस अथवा रेलवे अधिकारी उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी करते हैं। ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करना तथा नाचना गाना, भीख मांगने जैसी बातें तो सुनने और देखने में आती रहती हैं। परंतु बसों में इस प्रकार का चलन लगभग न के बराबर था। मगर पिछले कुछ वर्षों से अब बसों में भी यह सिलसिला शुरू हो गया है। पहले बसों में किसी स्टैंड पर खड़ी बस में कुछ मेहनतकश लोग प्रवेश करते थे और यात्रियों को आकर्षित कर कोई न कोई सामान बेचने की कोशिश करते थे और बस के प्रस्थान करते समय ही वे बस से नीचे उतर जाते थे। परंतु अब तो ट्रेन की ही तर्ज पर बस में भी डफली, ढोलक तथा कान फोड़ू बेसुरा संगीत आदि सब कुछ सुनाई देने लगा है।

यदि हम अंबाला-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर बस से यात्रा करते हैं तो अंबाला से लेकर लालडू-डेराबस्सी-जीरकपुर व चंडीगढ़ आदि स्थानों पर कहीं न कहीं कोई न कोई नवयुवक बस पर सवार होता या फिर उतरता दिखाई दे जाएगा। कम आयु के यह बच्चे सरकारी बसों के कंडक्टर एवं ड्राइवर की ओर से मिलने वाली ढील का फायदा उठाकर एक स्टेशन से दूसरे व दूसरे से तीसरे स्टेशन तक पहुंच जाते हैं। इस दौरान वे न केवल अपने गला फाड़ गायन से यात्रियों को विचलित करते हैं बल्कि दान देकर स्वर्ग प्राप्ति की इच्छा रखने वाले चंद लोग ऐसे लफंगों को कुछ पैसे देकर उनका हौसला भी बढ़ाते हैं। बसों में चढ़कर इस प्रकार पैसे मांगने वालों में अधिकांश बच्चे नशे की लत का शिकार होते हैं। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि जब किसी यात्री ने अवांछित रूप से लफंगों के चलती बस में चढ़ने पर आपत्ति की तो ड्राइवर ने उसी समय बस रोक कर उस लफंगे भिखारी को बस से नीचे भी उतार दिया, लेकिन विरोध नहीं किया तो सब कुछ पहले जैसा चलता रहता है।

इन्हीं बसों में कई बार किसी अनाथलाय आश्रम अथवा किसी भंडारा या फिर धार्मिक स्थान के नाम पर पैसा वसूली करने वाले लोग अपने हाथों में गुल्लक व रसीद बुक लेकर भी सवार हो जाते हैं। बसों में प्रवेश करने वाले इन सभी अनाधिकृत लोगों को यदि हम श्रेणी में भी बांटेंगे तो यही देखेंगे कि कोई सामग्री बेचने वाला या खाने-पीने की वस्तु बेचने वाला मेहनतकश मजदूर तो खड़ी बस में चढ़ता है और बस चलते ही उतर जाता है, जबकि चंदा वसूली करने वाले, भिखारी व अवांछित कान फाड़ गायक बेधड़क होकर एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन की यात्रा बिना टिकट खरीदे करते हैं और यह हमारे देश का चमत्कार ही है कि ऐसे लोग सामान बेचने वाले मेहनतकश लोगों से भी ज्यादा पैसे मुफ्त में ठग कर अगले स्टेशन पर उतर जाते हैं। मोटे तौर पर यदि कहा जाए तो नारियल गरी, कंघी या पानी बेचने वाला एक व्यक्ति अपनी मेहनत से दिनभर में तीन सौ से चार सौ रुपए तक कमाता है तो यह मवाली, भिखारी व मुफ्तखोर, लोगों की भावनाओं का लाभ उठाकर एक हजार रुपए से दो हजार रुपए तक बिना किसी पूंजी के कमा लेते हैं। उत्तर भारत में कई स्थानों पर रेलगाड़ियों में कुछ ऐसे लोग भी आपको मिल जाएंगे जो अपने साथ किसी युवती को रखते हैं। उसे अपनी बेटी या फिर बहन बताकर उसके विवाह और कन्यादान के नाम पर लोगों से पैसे मांगते हैं।

यह शातिर दिमाग लोग यात्रियों को इन शब्दों में ब्लैक मेल करते हैं। वे कहते हैं कि-जैसे आपकी बेटी वैसे ही यह मेरी बेटी है लिहाजा इसके कन्यादान में अपनी बेटी समझकर सहयोग दीजिए। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस प्रकार के कई पेशेवर लोग गत् 15-20 वर्षों से एक ही लड़की का हाथ पकड़कर उसके कन्यादान हेतु भीख मांग रहे हैं परंतु अब तक उस कथित बेटी की शादी ही नहीं की गई। इन लोगों के पास भी टिकट होने का तो कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। बिहार में दिसंबर की जबरदस्त ठंड में रात एक बजे के करीब बस में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने रोते हुए प्रवेश किया और यह कहकर अपनी छाती पीटने लगा कि मेरे बेटे की लाश गेट पर पड़ी है और उसके पास संस्कार हेतु पैसे नहीं हैं। कई भावुक दानियों ने सौ-पचास रुपए की नोट उसे देनी शुरू कर दी। एक जागरूक युवा व्यक्ति ने उस बुजुर्ग का हाथ पकड़ा और कहा चलकर अपने बेटे की लाश दिखाओ। मैं उसका पूरा संस्कार स्वयं कराऊंगा। काफी आनाकानी के बाद वह बुजुर्ग हाथ जोड़ने लगा और अपने झूठ के लिए माफी मांगने लगा। गोया देश में रेलगाड़ियों और बसों में इस प्रकार के यात्रियों को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि लफंगों को तो बेटिकट चलने की छूट है परंतु एक शरीफ, ईमानदार और मेहनतकश व्यक्ति को तो बाटिकट अर्थात टिकट खरीदकर ही चलना पड़ेगा। देश के शासनतंत्र को इस ओर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की जरूरत है, ताकि यात्रियों के सफर को आरामदायक और सुरक्षित बनाया जा सके। इस तरह के बेटिकट यात्री ही सुरक्षा के लिए खतरा होते हैं।

**निर्मल रानी**
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

देश के बाल गृहों की जांच अब भी जारी है। अनियमितता पाए जाने पर उन्हें भी बंद किया जाएगा। बच्चों के अधिकार से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

**मेनका गांधी, केंद्रीय मंत्री**

देशभर के बाल आश्रय गृहों को सिर्फ इसलिए मनमानी का अधिकार मिला क्योंकि उन पर सरकारी नियंत्रण नहीं था। प्रशासनिक मशीनरी अपना काम सही ढंग से नहीं निभा रही थी।

**विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार**

सत्यार्थ

# वाशिंगटन का साहस

**एक** बार उत्तरी वर्जीनिया में कुछ युवक भ्रमण के लिए पहुंचे। घूमते-घूमते जब वे एक स्थान पर भोजन करने के लिए बैठे, तो उन्हें एक स्त्री के रोने की आवाज सुनाई दी। वह जोर-जोर से कह रही थी-मुझे छोड़ दो, मुझे छोड़ दो। युवक भोजन छोड़कर उस ओर दौड़े, जिस ओर से आवाज आ रही थी। उस स्त्री का बच्चा नदी में गिर गया था और कोई भी व्यक्ति उसको निकालने की हिम्मत नहीं कर रहा था। उस स्त्री ने कहा- आप मुझे इन संबंधियों से छुड़ा दीजिए, ताकि मैं अपने बच्चे को नदी से निकाल सकूं। ये न तो स्वयं कोई प्रयत्न कर रहे हैं और न ही मुझे कुछ करने दे रहे हैं। तभी उन में से एक युवक ने पलक झपकते ही कुछ निश्चय किया और कपड़े उतारकर नदी में कूद गया। वह एक अच्छा तैराक था और लहरों से जूझ रहा था। वह युवक जान हथेली पर रख बहते हुए बच्चे का पीछा कर रहा था, ताकि बच्चा उसकी पकड़ में आ जाए, पर लहरें बार-बार उसे दूर कर देतीं व बच्चे को उसके हाथ से छीनकर ऐसे ले जातीं, जैसे उन्होंने कसम खा रखी हो कि बच्चे को उस के हाथ नहीं आने देंगी। अंततः युवक बच्चे तक पहुंच ही गया व उसे नदी से बाहर निकाल लाया। बच्चे की मां अपलक नेत्रों से युवक को निहार रही थी। फिर वह ईश्वर का बारंबार आभार व्यक्त करने लगी। उसने कहा- तुम्हारे इस उपकार का बदला कोई भी और कभी भी नहीं चुका सकता। मेरे बच्चे के प्राण बचा कर तुमने मुझ पर जो उपकार किया है, उसका फल तुम्हें ईश्वर ही देंगे। मैं तो प्रार्थना ही कर सकती हूं कि तुम्हारी कीर्ति युगों-युगों तक फैले। बच्चे के लिए अपने प्राण की बाजी लगाने वाला यह युवक जार्ज वाशिंगटन था, जो बाद में अमेरिका का राष्ट्रपति बना।

**राधा नाचीज**

## सार समाचार

### भ्रष्टाचार मामले में नेतन्याहू को दोषी ठहराने की अनुशंसा

यरूशलम। इस्राइल की पुलिस ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा को रिश्वत तथा अन्य अपराधों के लिए रविवार को दोषी ठहराने की अनुशंसा की। प्रधानमंत्री के खिलाफ हाल के महीने में यह तीसरी अनुशंसा है।
अटॉर्नी जनरल अब निर्णय करेंगे कि मामले में प्रधानमंत्री को अभियुक्त बनाया जाए या नहीं, जो दूरसंचार कंपनी बेजेक को कथित तौर पर विनियामक फायदे देने से जुड़ा हुआ है। एक संबंधित मीडिया कंपनी से सकारात्मक कवरेज के बदले उसे फायदा पहुंचाने के आरोप हैं। पुलिस ने फरवरी में नेतन्याहू को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अन्य मामलों में दोषी ठहराने की अनुशंसा की थी।

### यूक्रेन की वर्तमान सरकार रहने तक युद्ध जारी रहेगा: व्लादिमीर पुतिन

ब्यूनस आयर्स। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन में जब तक वर्तमान सरकार सत्ता में है, तब तक पूर्वी यूकेन में संघर्ष समाप्त होने की कोई सूरत नहीं है। पुतिन ने अर्जेंटीना में जी20 शिखर सम्मेलन की समाप्ति पर संवाददाताओं से कहा, यूक्रेन के वर्तमान प्राधिकार को संघर्ष समाप्त करने में कोई दिलचस्पी नहीं है खासतौर पर शांतिपूर्ण तरीके से।' रूसी नेता ने कहा कि जब तक वे सत्ता में हैं युद्ध जारी रहेगा। गौरतलब है कि चार वर्ष पहले यूक्रेन की सरकार के खिलाफ रूसी अलगावादियों के संघर्ष में अब तक 10 हजार से ज्यादा लोगों की जानें जा चुकी हैं। इनमें से एक तिहाई आम नागरिक हैं। इस संघर्ष से पश्चिमी देशों के साथ रूस के रिश्ते संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इन देशों का आरोप हैं कि क्रीमिया पर कब्जे के कारण 2014 में संघर्ष शुरू हुआ। भारी सैन्य खर्चों तथा अलगाववादियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में अहम उद्योगों को नुकसान पहुंचने से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। लेकिन रूसी राष्ट्रपति ने यूक्रेन की आर्थिक समस्याओं को खारिज करते हुए कहा कि युद्ध में आर्थिक समस्याओं का हवाला देना हमेशा आसान होता है।

### अमेरिका: अलास्का में 7.0 तीव्रता के भूकंप बाद आए 230 आफ्टरशॉक

एंकोरेज: अमेरिका के अलास्का में शुक्रवार को आए भूकंप के बाद से अब तक 230 से अधिक आफ्टरशॉक आ चुके हैं. शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर 7.0 तीव्रता के भूकंप से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी. सड़कें और एंकोरेज के आसपास की इमारतें नष्ट हो गई थी. शुक्रवार को आए भूकंप के बाद अधिकतर आफ्टरशॉक कम तीव्रता के ही रहे. इनमें से एक दर्जन से अधिक की तीव्रता चार और कुछ ही पांच रही. अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अधिकारी ने शनिवार को सीएनएन को बताया कि शुक्रवार को रात लगभग 11 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.2 तीव्रता का ऑफ्टरशॉक महसूस किया गया. दूसरे की तीव्रता 5.7 रही. गौरतलब है कि शुक्रवार को सुबह लगभग 8.30 बजे रिक्टर पैमाने पर 7.0 तीव्रता के भूकंप से डरकर लोग सड़कों पर निकल आए. भूकंप का केंद्र एंकोरेज से 10 मी दूर पूर्वोत्तर में रहा.

# काले धन पर भारत को मिली कामयाबी, स्विस सरकार दो कंपनियों की जानकारी देने को राजी

**नई दिल्ली/बर्न (एजेंसी)।**

काले धन के लिये सुरक्षित पनाहगार के रूप में मशहुर स्विट्जरलैंड ने अपनी छवि को सुधारने में लगा हुआ है. स्विट्जरलैंड दो कंपनियों और तीन लोगों के बारे में भारतीय एजेंसियों को जानकारी देने के लिये राजी हो गया है. इन कंपनियों और लोगों के खिलाफ भारत में कई जांच चल रही हैं. दोनों भारतीय कंपनियों में से एक सूचीबद्ध कंपनी है और कई उल्लंघनों के मामले में बाजार नियामक सेबी की निगरानी का सामना कर रही है जबकि दूसरी कंपनी का तमिलनाडु के कुछ राजनेताओं से संबंध बताया जाता है.

स्विस सरकार के राजपत्रित अधिसूचना के मुताबिक, स्विस सरकार का संघीय कर विभाग जियोडेसिक लिमिटेड और आधी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के बारे में किये गये अनुरोधों पर भारत को 'प्रशासनिक सहायता' देने के लिये तैयार हो गया है. जियोडेसिक लिमिटेड से जुड़े तीन लोगों- पंकज कुमार ओंकार श्रीवास्तव, प्रशांत शरद मुलेकर और किरन कुलकर्णी- के मामले में विभाग ने इसी तरह के अनुरोध पर सहमति जताई है.

स्विस सरकार ने दोनों कंपनियों और तीनों व्यक्तियों के बारे में भारतीय एजेंसियों द्वारा मांगी गयी जानकारी और मदद से जुड़े विशेष विवरणों का खुलासा नहीं किया है. इस तरह की 'प्रशासनिक सहायता' में वित्तीय और कर संबंधित गड़बड़ियों के बारे सबूत पेश करने होते हैं और बैंक खातों तथा अन्य वित्तीय आंकड़े से जुड़ी जानकारियों शामिल होती हैं.

संबंधित कंपनियां और लोग भारत को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिए स्विट्जरलैंड के संघीय कर प्रशासन (एफटीए) के निर्णय के खिलाफ अर्जी दायर कर सकते हैं. नई प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराने वाली जियोडेसिक लिमिटेड की स्थापना 1982 में हुयी थी. इस कंपनी की अब न तो वेबसाइट चल रही है और न अब यह एक सूचीबद्ध इकाई है, क्योंकि शेयर बाजार ने इनके शेयरों में कारोबार को प्रतिबंधित कर रखा है.

कंपनी और उसके निदेशकों को सेबी के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय और मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की जांच का सामना करना पड़ रहा है.

वहीं, आधी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना चेन्नई में 2014 में हुयी थी। कंपनी के रीयल एस्टेट और अन्य कारोबार में तेज वृद्धि देखी गयी थी, लेकिन दागी नेताओं और कथित मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने के चलते कंपनी की मुश्किलें जल्द शुरू हो गयी.

# व्हाइट हाउस के सलाहकार ने बताया, अच्छी रही डिनर के दौरान युद्ध व्यापार पर चर्चा

**यूनस आयर्स (एजेंसी)।**

व्हाइट हाउस के आर्थिक मामलों के शीर्ष सलाहकार लैरी कुडलो का कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच शनिवार को डिनर/रात्रिभोज के दौरान युद्ध व्यापार को लेकर हुई चर्चा अच्छी रही. ट्रंप और उनके शिष्टमंडल के ब्यूनस आयर्स से रवाना होने से पहले कुडलो ने पत्रकारों से यह बात कही. दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच करीब दो घंटे चली बैठक पर यह पहली प्रतिक्रिया है.

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता सारा सैंडर्स ने कहा कि इस संबंध में वह जल्दी ही बयान जारी करेंगी वहीं चीन की सरकार ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. बता दें कि जी20 शिखर सम्मेलन के लिए पिछले दो दिन से अर्जेंटिना की राजधानी में मौजूद ट्रंप और शी ने दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं को पूर्ण व्यापार युद्ध में फंसने से बचाने के लिए यह बैठक की. शिष्टमंडल के सदस्यों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में दोनों नेताओं ने बेहतरी की आशा जताई है.

ट्रंप ने कहा, ''संभवत- अंत में हमें ऐसा कुछ मिलेगा जो चीन और अमेरिका दोनों के लिए अच्छा होगा.'' शी ने कहा कि इसका समाधान निकालना बहुत जिम्मेदारी का काम है. ''हम सिर्फ सहयोग के माध्यम से ही शांति और समृद्धि जैसे हितों को साध सकते हैं.''

## अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है गहरा होता सुरक्षा सहयोग: मैटिस

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

अमेरिका के रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच गहरा होता सुरक्षा सहयोग दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट में शनिवार को अपने संबोधन में मैटिस ने कहा कि चीन के साथ अमेरिका सृजनात्मक और परिणामोन्मुखी संबंध चाहता है। मैटिस ने कहा, ''हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में हम नयी साझेदारी बनाकर दशकों-पुराने अपने संबंध को मजबूत बना रहे हैं। इस साल यूएसएस कार्ल विंसन की ऐतिहासिक वियतनाम यात्रा से लेकर भारत के साथ गहरे होते हमारे सुरक्षा संबंध दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं।''

उनका कहना है कि लेकिन हम घात लगाने वाली आर्थिक नीतियों को स्वीकार नहीं करेंगे और नाहीं छोटे राष्ट्रों के खिलाफ बल प्रयोग को। कोई भी देश खुद से अंतरराष्ट्रीय आदेशों को नहीं बदल सकता है और नाहीं दूसरे देशों के कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा फैसलों पर वीटो लगा सकता है। एक सवाल के जवाब में मैटिस ने कहा कि हाल के महीनों में उनकी अपने चीनी समकक्ष के साथ कई बैठकें हुई हैं। एएफपी की खबर के अनुसार, इसी संबोधन में मैटिस ने कहा कि रूस ने 2016 राष्ट्रपति चुनावों की भांति नवंबर में हुए मध्यावधि चुनावों में भी हस्तक्षेप का प्रयास किया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने पिछले महीने भी हमारे चुनावों में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया और हम लगातर ऐसे प्रयास होते देख रहे हैं।

## अमेरिका: पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर शोक, राष्ट्रीय झंडे को आधा झुकाया गया

**कॉलेज स्टेशन (अमेरिका) (एजेंसी)।**

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश के निधन के बाद उनके गृह राज्य टेक्सास, यूएस कैपिटॉल सहित पूरे अमेरिका में शनिवार को झंडे को आधा झुका दिया गया. देशवासी अपने पूर्व राष्ट्रपति को एक सप्ताह तक श्रद्धांजलि देने की तैयारी में हैं. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति का निधन 94 साल की उम्र में हुआ. विश्व के नेताओं ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बुश के निधन पर शोक जताया.

अमेरिका के 41वें राष्ट्रपति बुश विदेश नीति के अच्छे जानकार थे. वर्ष 1989 में सोवियत संघ के विघटन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी. इसके करीब दो वर्ष बाद

उन्होंने इराक के शक्तिशाली नेता सद्दाम हुसैन के सैनिकों को कुवैत से बाहर निकालने के लिए एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय गठबंधन भी बनाया.

**अंतिम संस्कार में शामिल होंगे दिग्गज**

दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति के राजकीय सम्मान के साथ अगले सप्ताह होने वाले अंतिम संस्कार में कई नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी शामिल होंगी. हालांकि ट्रंप दिवंगत राष्ट्रपति की पत्नी बारबरा के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए थे. इसके अलावा ट्रंप रिपब्लिकन नेता जॉन मैककेन के अंतिम संस्कार में भी नहीं गए थे.

**NSE बंद रहेगा**

ट्रंप ने बुश के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति ने कई पीढ़ियों को लोगों की सेवा के लिए प्रेरित किया. राष्ट्रीय शोक के लिए 5 दिसंबर की तारीख तय की गई है. इस दिन बुश के सम्मान में संघ सरकार और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेगा.

# फ्रांस में लगाई जा सकती है इमरजेंसी, इस कारण हिंसा पर उतारू हैं लोग

**यूनस आयर्स (एजेंसी)।**

इमैनुएल मैक्रों सरकार द्वारा टैक्स बढ़ाने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने अब उग्र रूप ले लिया है. प्रदर्शनकारियों ने पूरे पेरिस शहर में कोहराम मचा रखा है. चारों तरफ आगजनी और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है. प्रदर्शनकारी चेहरे पर मास्क लगाकर और लोहे का रॉड लेकर संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं. शनिवार को करीब दर्जन भर गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया था. प्रदर्शनकारियों द्वारा तोड़फोड़ की घटना से अब तक 133 लोग घायल हो चुके हैं.

हालात धीर-धीरे बेकाबू हो रहे हैं जिसके मद्देनजर फ्रांस सरकार इमरजेंसी की घोषणा करने पर विचार कर रही है. सरकारी प्रवक्ता बेंजामिन ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे लोगों से आकर बातचीत करने को कहा है. यह प्रदर्शन 17 नवंबर से ही जारी है. रविवार को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करेंगे.

राष्ट्रपति मैक्रों अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे जी-20 सम्मेलन में भाग लेने गए हुये हैं और उनका देर सुबह देश पहुंचने का कार्यक्रम है. वापसी के बाद वह प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और सुरक्षा का काम देख रहे सर्वोच्च अधिकारियों से मुलाकात करेंगे. ताजा आंकड़ों के अनुसार पेरिस पुलिस ने शनिवार को अबतक के सबसे खराब उपद्रव में शामिल 412 लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि इससे पहले 378 लोग ऐसे ही मामलों में हिरासत में हैं.

उपद्रव में घायल हुये कुल 133 लोगों में से सुरक्षाबल के 23 सदस्य भी शामिल हैं. इससे पहले मैक्रों ने ब्यूनस आयर्स से वापसी से पहले कहा कि वह हिंसा को कभी स्वीकार नहीं करेंगे. मैक्रों ने कहा, ''अधिकारियों पर हमले, वाणिज्य-व्यापार में लूटपाट, राहगीरों या पत्रकारों को धमकी देना या आर्क दू त्रायंफ का उल्लंघन करना, किसी भी सूरत में तर्कपूर्ण नहीं हो सकता है.''

पेरिस में बड़ी संख्या में लोग आपात स्थिति में पहने जाने वाले पीले रंग के जैकेट पहन कर प्रदर्शन कर रहे हैं. ब्यूनस आयर्स में जलवायु परिवर्तन की दिशा में समान विचारधारा वाले सभी देशों को साथ लाने के लिए मैक्रों पूरी जी-जान से कोशिश कर रहे हैं. लेकिन, बार-बार उनसे फ्रांस में चल रहे प्रदर्शनों पर सवाल पूछा गया. उन्होंने कहा, ''इस हिंसा के लिए दोषी लोग बदलाव नहीं चाहते हैं, वे लोग सुधार नहीं चाहते, उन्हें सिर्फ अराजकता चाहिए. वे लोग जिस कारण का समर्थन करने की ढोंग करते हैं, उसे ही धोखा दे रहे हैं.''

मैक्रों ने कहा, ''उन सभी की पहचान की जाएगी और उन्हें न्याय की जद में लाया जाएगा.'' उन्होंने कहा कि पेरिस वापसी के साथ ही प्रदर्शनों के सिलसिले में अपने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ बैठक करेंगे. मैक्रों ने कहा, ''मैं हमेशा बहस का सम्मान करूंगा. मैं हमेशा विपक्ष की बात सुनूंगा लेकिन हिंसा को कभी स्वीकार नहीं करूंगा.''

## पाकिस्तानी आतंकियों के इशारे पर भारतीयों को अपने हुस्न के जाल में फंसा रही हैं लड़कियां

**श्रीनगर (एजेंसी)।**

पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह युवकों को आतंकवाद की ओर आकर्षित करने के लिए महिलाओं को एक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हथियार लाने ले जाने या आतंकवादियों को घुसपैठ कराने के लिए गाइड के तौर पर इन युवकों का इस्तेमाल किया जा सके. अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए अभियान के तहत सयैद शाजिया को बांदीपोरा से पखवाड़ा भर पहले गिरफ्तार किया गया. फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइटों पर उसके कई अकाउंट थे, जिसे घाटी में कई युवकों ने फॉलो कर रखा था. उन्होंने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां शाजिया द्वारा पिछले सात महीने में इस्तेमाल किए गए 'इंटरनेट प्रोटोकॉल' (आईपी) पर नजर बनाए हुए थी.

वह युवकों से बात किया करती थी और कहती थी कि यदि वह उससे मिलना चाहता है तो किसी सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने पहुंचा दे. शाजिया पुलिस विभाग में भी कई अधिकारियों से सम्पर्क में थी. लेकिन अधिकारियों ने इसे ÷डबल-क्रॉस÷ की एक सामान्य रणनीति बताया है क्योंकि वह सीमा पार अपने आकाओं को भारतीय सैनिकों की आवाजाही के बारे में ऐसी सूचनाएं मुहैया कराती थी जो ''बहुत संवेदनशील नहीं ''होती थीं.

पूछताछ के दौरान उसने जांचकर्ताओं को आतंकवादी संगठन में मौजूद अन्य महिलाओं के बारे में भी बताया, जिन्हें युवकों को आतंकवाद की ओर आकर्षित करने का काम दिया गया है. शाजिया की गिरफ्तारी से एक सप्ताह पहले खुफिया जानकारी के आधार पर 17 नवम्बर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने असिया जान (28) को शहर की बाहरी सीमा पर लावाय्योरा से 20 ग्रेनेड ले जाते हुए गिरफ्तार किया था. पुलिस को सूचना मिली थी कि आतंकवादी शहर में हथियार और गोला बारूद की तस्करी कराने का प्रयास कर रहे हैं.

# सी.आर.पाटिल भवन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सूरत। लिंबायत विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 26 के भाजपा पार्षद दक्षाबेन सुधाकर चौधरी के कार्यकाल को तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। नवागाम डिंडोली रोड के बिलिया नगर में स्थित सीआर पाटिल भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नवसारी के सांसद सीआर पाटिल के हाथों कियाग या। इस मौके पर लिंबायत विधायक संगीता पाटिल, शहर भाजपा उपाध्यक्ष छोटू पाटिल, शासक पक्षनेता गिरिजाशंकर मिश्रा, पार्षद सोमनाथ मराठे, अमित राजपूत, पूर्व पार्षद विनोद पाटिल, चे बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष परेश पटेल सहित वार्ड के भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। सामाजिक अग्रणी सुधाकर चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर में चश्मा शिविर का 600 लोगों ने लाभ लिया। उन्हें नि:शुल्क चश्मा वितरित किया गया। हदयरोग स्पेश्यालिस्ट डॉक्टर ने 265 मरीजों की जांच की। वहीं इको, ईसीजी, यूरिक एसिड, कन्सल्टन्ट फिजीशियन, स्त्री रोग स्पेशालिस्ट, बाल रोग तज्ञ, न्यूरो फिजिशियन, जनरल व लेप्रो सर्जन, आर्थापेडिक सर्जन, आंखों के डॉक्टर, दांत, शुगर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की। शिविर में कुल 1228 लोग शामिल होकर शिविर का लाभ उठाया। बाबा मेमोरियल अस्पताल, मोरिया नगर नवागाम की टिम का शिविर में सहयोग मिला। सामाजिक अग्रणी सुधाकर चौधरी द्वारा हर वर्ष सामूहिक विवाह, रक्तदान समेत कई लोकपयोगी कार्य किए जाते है। रविवार को हुए नि:शुल्क शिविर में लिंबायत डॉक्टर एसोसिएशन के प्रमुख डॉ. डॉ.नरेंद्र पाटिल, डा. महाले, डॉ. अशोक देवरे, डॉ. वाघ, गणेश पाटिल, डा. भरत पाटिल, डा. उदय पटेल, डा.विजय पाटिल समेत डॉक्टर उपस्थित रहे।

## रद्द हुई परीक्षा के उम्मीदवारों को उचित मुआवजा मिले : कांग्रेस विधायक

अहमदाबाद। ऊंझा से कांग्रेस की विधायक डॉ. आशा पटेल ने रद्द हुई एलआरडी परीक्षा के उ मीदवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। डॉ. आशा पटेल ने कहा कि परीक्षा देने के लिए दूर दूर से युवक समय और पैसा खर्च कर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचे थे। लेकिन पर्चा लीक होने की वजह परीक्षा रद्द कर दी गई, जिसका खामियाजा उ मीदवारों को भुगतना पड़ा। सरकार और परीक्षा बोर्ड की लापरवाही के चलते परीक्षा रद्द होने से उ मीदवारों को समय बर्बाद हो गया। सरकार उनका समय तो नहीं लौटा सकती है, लेकिन परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने में जो खर्चा हुआ है, उसका उचित मुआवजा सभी उ मीदवारों को दिया जाना चाहिए। साथ ही भविष्य में जब कभी भी एलआरडी परीक्षा हो तो तब संबंधित उ मीदवारों के लिए उनके निकट के जिले में परीक्षा केन्द्र की व्यवस्था की जानी चाहिए।

## राजस्थान में मतदान करे के लिए सूरत में रह रहे प्रवासियों के लिए बुक हुई 60 से ज्यादा बसे

सूरत। राजस्थान में वोटिंग की तारिख जेसे जेसे नजदिक आती जा रही है वैसे ही सूरत में रहने वाले राजस्थानी कपड़े के व्यापारियों में वोटिंग को लेकर उत्सुक्ता बढती जा रही है। अलग-अलग पार्टीयों के उम्मीदवार सूरत में रहने वाले राजस्थानी समाज के लोगों से सम्पर्क कर रहे है। ये लोग राजस्थान जाने की तैयारी कर रहे है। 7 दिसम्बर को राजस्थान जाने के लिए बसों की बुकिंग की जा चुकी है। जिसमें बाडमेर, पोकरण, बालोतरा, शिव और जेसलमेर के लिए कुल 60 से ज्यादा बसों को बुक किया गया है।

**राजस्थान में मतदान के लिए समाज में हुई बैठक**

राजस्थानी समाज ने मीटिंग कर अपने अपने उम्मीदवारों को विजई बनाने के लिए जी तोड़ महनत कर रहा है। राजस्थानी कपड़ों के व्यापारी मानसिंह सोढा और अनुप सिंह भाटी ने बताया की वैष्णव समाज की वाड़ी में राजस्थान मतदान के लिए समाज की मीटिंग होगी जिसमें और कितनी बसों को बुक कराना है इसकी चर्चा की गई।

## स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की 1 महीने में 6 करोड़ की आय

सूरत। दक्षिण गुजरात में नर्मदा बांध के निकट बनी विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दुनियाभर में आकर्षण का केन्द्र बन गई है। 31 अक्टूबर 2018 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण के बाद से दुनियाभर के सैलानियों का तांता लगा हुआ है। लोकार्पण के बाद दीपावली अवकाश होने से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करनेवालों की लंबी लंबी कतारें लगी। दिवाली की छुट्टियों के दौरान बड़ी सं या में लोग स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने पहुंचे। एक महीने के भीतर ढाई लाख से भी अधिक सैलानियों ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार किया, जिससे सरदार वल्लभभाई पटेल एकता ट्रस्ट को करोड़ों की आय हुई है।

# दान की रकम वापस मांगने पर योग गुरु ने किया आत्महत्या का प्रयास

सूरत। कामरेज के पारडी आश्रम के योग गुरु प्रदीप ने साधकों द्वारा दान की रकम वापस मांगे जाने पर आत्महत्या की कोशिश की। इससे पहले प्रदीप ने सात पन्नों की स्यूसाइड नोट लिखी थी। जिसमें 10 साधकों के नाम का उल्लेख है।

प्रदीप का आरोप है कि साधक दान में दी गई रकम वापस मांग रहे थे। साधकों की पठानी वसूली से परेशान होकर आत्महत्या करने का फैसला किया था। योग गुरु ने स्यूसाइड नोट में कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। जिसमें लिखा है कि उन्होंने पारडी में संस्था के मकान के लिए जमीन खरीदी थी, जिसकी आधी रकम कई साधकों ने उधार दी थी। रकम इस शर्त पर थी कि सुविधा होने पर रुपए वापस किए जाएंगे। इसके बावजूद कई साधकों ने पठानी उगाही शुरू कर दी। प्रदीप के मुताबिक कई साधक उन्हें बदनाम भी कर रहे हैं। साधकों से परेशान होकर मैंने आत्महत्या करनेका फैसला किया था। स्यूसाइड नोट में 10 साधकों के नाम का उल्लेख करते हुए सीधे तौर पर उन्हें मौजूदा स्थिति के लिए जि मेदार ठहराया है।

दूसरी ओर साधकों का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप आधारहीन हैं। एक करोड़ जितनी रकम लौटानी नहीं पड़े, इसलिए योगगुरु प्रदीप नौटंकी कर रहे हैं। साधकों का कहना है कि योगगुरु प्रदीप ने उधार लिए रुपए जारी वर्ष की दीपावली से पहले देने का वादा किया था। दिवाली से पांच दिन पहले प्रदीप ने उन साधकों को फोन कर बुलाया, जिनसे रुपए उधार लिए थे। जहां शांतिपूर्वक बातचीत हुई और बाद में जब साधकों ने अपने रुपयों की मांग की, तब प्रदीप ने कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। बता दें कि योगगुरु प्रदीप सत्यम फाउंडेशन योगधाम चलाते हैं। साथ ही नि:शुल्क योग शिविरों का आयोजन करते हैं और बड़ी सं या में योगगुरु प्रदीप के साधक हैं।

सूत्रों के मुताबिक पास कार्यकर्ता माइकल योगगुरु प्रदीप को ब्लैकमेल कर रहा था। इसकी जानकारी योगगुरु प्रदीप ने पुलिस को दी है। स्यूसाइड नोट में दस साधकों के नामों का उल्लेख है, जिसमें पास कार्यकर्ता माइकल भी शामिल है। माइकल पास नेता हार्दिक पटेल का करीबी है और सूरत पास टीम का अग्रणी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# स्कूली बच्चों ने दिया एड्स जागरुकता का संदेश

सूरत। पूरे विश्व मे एक दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। बीते दिन शनिवार को पांडेसरा के गंगोत्री नगर स्थित गौरव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूली विद्यार्थियों के साथ जाग्रत मानव दल के कार्यकर्ताओ ने विश्व एड्स को मनाया। इस मौके पर गौरव उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय के ट्रस्टी विजय कुमार यादव ने कहा कि स्कूली बच्चे देश के भविष्य है। शिक्षको का काम बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान देना नही बल्कि उन्हें सामाजिक ज्ञान देने की नैतिक जिमेदारी है। बच्चे एड्स पीड़ितों का उपेक्षा न कर उनका सम्मान करें। जाग्रत मानव दल के प्रमुख शैलेन्द्र निगम ने कहा कि बच्चे एड्स ग्रसित लोगो से परहेज न कर उन्हें उचित सम्मान देने के साथ उनका हर सम्भव मदद करे। इस मौके पर प्रबन्धन समिति मंत्री रीता वी.यादव संजय शुक्ला, अम्बिका मिश्रा,अरविंद दुबे,संतोष दुबे,राजाराम तिवारी,दिनेश गुप्ता,नारायण पांडेय,राजन मिश्रा,पंकज सोनी,शनि तिवारी,रॉकी सिंह, हार्दिक सिंह,रितेश गुप्ता, प्रिंसिपल अमरजीत पांडेय, नंदनी गुप्ता,दुर्गेश मिश्रा, संतोष मिश्रा, शैला मिश्रा,किरण सिंह,अंकित जायसवाल, ममता सिंह, शैलेन्द्र आदि मौजूद रहे।

## नलिया-कंडला एयरपोर्ट में तापमान १३ डिग्री से भी कम

अहमदाबाद। अहमदाबाद सहित राज्यभर में अब ठंडी का अनुभव हो रहा है। आज राज्य के बहुत से इलाको में न्यूनतम तापमान शनिवार की तुलना में और अधिक गिरने से ठंडी बढ़ गई है। आज नलिया में न्यूनतम तापमान घटकर १२.८ डिग्री दर्ज हुआ। कंडला एयरपोर्ट में तापमान गिरकर १२.२ डिग्री तक पहुंच गया। अहमदाबाद शहर में तापमान १५ डिग्री रहा। डिसा में १३.४ और गांधीनगर में १४.४ डिग्री तापमान रहा। तापमान में और भी अधिक गिरावट हो सकती है और इससे ठंड का प्रभाव बढ़ने के संकेत नजर आ रहे हैं। हवामान विभाग के अनुसार आने वाले दो तीन दिनों में लघुत्तम तापमान में कटौती नहीं होगी।

## बार काउंसिल में वेल्फेयर फंड की रिन्युअल फीस में कटौती

अहमदाबाद। गुजरात राज्य में वकीलों की मौत या निधन के मामले में बार काउंसिल ऑफ गुजरात द्वारा उनके परिजनों या उत्तराधिकारियों को मौत सहायता की रकम दी जाती है और इसके लिए वेल्फेयर फंड स्कीम के तहत फिलहाल मौत सहायता के तहत वकीलों के परिजनों या उत्तराधिकारियों को तीन लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। जो १.४.२०१९ से मौत सहायता की रकम चार लाख होने जा रही है अब यह वेल्फेयर फंड स्कीम के तहत वकीलों को समय-समय पर अपना सदस्यपद रिन्यु भी कराना होता है, जिसकी रिन्युअल फीस अभी तक २५०० रुपये थी लेकिन वकीलों में विशेष करके जुनियर वकीलों की मांग को ध्यान में लेकर गुजरात बार काउंसिल द्वारा एक महत्व के निर्णय में वेल्फेयर फंड स्कीम की रिन्युअल फीस में उल्लेखनीय कटौती की गई है। जिसके अनुसार, वकालत के पांच वर्ष पूरा नहीं किया हो ऐसे जुनियर वकीलों को अब सिर्फ एक हजार रुपये रिन्युअल फीस चुकानी पड़ेगी। बार काउंसिल के इस निर्णय की वजह से राज्यभर के वकीलों में खुशी की लहर फैल गई यह गुजरात बार काउंसिल के चेयरमैन दिपेन दवे, पूर्व चेयरमैन अनिल सी.केल्ला और एक्जीक्युटीव कमिटी के चेयरमैन करनसिंह बी. वाघेला ने बताया है। उन्होंने आगे बताया है कि, बार काउंसिल ऑफ गुजरात की रविवार को हुई एडमीनिस्ट्रेटीव कमिटी की बैठक में रिन्युअल फीस में कटौती करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार जुनियर वकीलों के लिए १००० रुपया किया गया है, इसके अलावा वकालत में एक से १५ वर्ष पूरा किया हो ऐसे वकीलों के लिए वार्षिक १५०० रिन्युअल फीस, १५ से २० वर्ष से प्रेक्टिस करते वकीलों के लिए २००० रुपये और २० वर्ष से ऊपर की प्रेक्टिसवाले वकीलों के लिए २५०० रुपये की रिन्युअल फीस निश्चित की गई है।

## पर्चा लीक होने से एलआरडी की परीक्षा रद्द, मामले की जांच शुरू

सूरत। गुजरात पुलिस महकमे में लोक रक्षक दल (एलआरडी) के 9 हजार से अधिक पदों पर भर्ती के लिए रविवार को दोपहर तीन बजे ली जानेवाली परीक्षा रद्द कर दी गई। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष विकास सहाय के मुताबिक पर्चा लीक होने की उन्हें जानकारी मिली है, जिसे ध्यान में रखते हुए परीक्षा फिलहाल रद्द कर दी गई है। सरकार ने गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। एलआरडी के 9713 पदों पर भर्ती के लिए राज्यभर से 876356 परीक्षार्थियों ने फार्म भरे थे। राज्य के 29 शहर व जिलों की 2440 स्कूलों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। पौने लाख से भी ज्यादा उ मीदवार 200 से 300 किलोमीटर की यात्रा कर आज सुबह से अपने अपने परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचने लगे। लेकिन परीक्षा रद्द किए जाने की खबर से परीक्षार्थियों में सरकार के खिलाफ आक्रोश भड़क उठा। परीक्षार्थियों ने घटना के लिए सीधे तौर पर सरकार को जि मेदार ठहराते हुए हर्जा-खर्चा देने की मांग की है। इस बीच सायबर सेल, गांधीनगर जिला पुलिस और सीआईडी क्राइम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने एक महिला को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

## निजी अस्पतालों में सी-सेक्शन से प्रसव की संख्या अधिक हैं

अहमदाबाद। भारत में एक साल में निजी अस्पतालों में हुए ७० लाख प्रसवों में से नौ लाख प्रसव बगैर पूर्व योजना के सीजेरियन सेक्शन (सी-सेक्शन) के जरिए हुए जिन्हें रोका जा सकता था और ये ऑपरेशन मुख्यत: पैसा कमाने के लिए किए गए। भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-ए) ने एक अध्ययन में यह कहा है। शिशुओं के चिकित्सीय रूप से अनुचित ऐसे जन्म से ना केवल लोगों की जेब पर बोझ पडता हैं बल्कि इससे स्तनपान कराने में देरी हुई, शिशु का वजन कम हुआ, सांस लेने में तकलीफ हुई। इसके अलावा नवजातों को अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ा।

# वैज्ञानिक टेस्ट कराने के लिए पुलिस की साजिश से विवाद

अहमदाबाद। कलोल में पत्नी की आत्महत्या के लिए उकसाने और इसकी रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में एक नया मोड़ आया है। कलोल तहसील पुलिस ने आरोपी पति के पांच दिन का और रिमांड मांगा इसमें एक कारण आरोपी के पोलीग्राफिक और एसटीएस टेस्ट कराने की वजह से इसका रिमान्ड जरूरी होने का बताया गया। थर्ड एडिशनल सीविल न्यायाधीश और ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट फर्स्टक्लास ए.एम. शुक्ल ने आरोपी का रिमान्ड दे दिया। जिसकी वजह से रिमान्ड के दायरे में पुलिस आरोपी पति के वैज्ञानिक टेस्ट बाहर ही बाहर एफएसएल में नहीं करा दे इसके लिए वरिष्ठ वकील आरजे. गोस्वामी द्वारा कलोल तहसील पुलिस, एफएसएल के डायरेक्टर, गृहविभाग सहित के सरकार के संबंधित शासकों को महत्व की कानूनी नोटिस भेजकर स्पष्ट सूचना दी गई है।

प्रस्तुत केस में सुप्रीम कोर्ट के शेल्वी विरूद्ध स्टेट ऑफ कर्नाटक के २०१० (७) एससीसी पेज नंबर-२६३ फैसले के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई प्रक्रिया का पालन किए बिना कोई भी परिस्थिति में आरोपी पति के वैज्ञानिक टेस्ट नहीं करना। अन्यथा यह सभी शासकों के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भंग और अदालत की अवमानना की कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई थी।

कलोल के पंचवटी क्षेत्र में संस्कृति बंगले में रहते संदीप प्रवीणभाई पटेल (मूल वतन, बोरीसना) की शादी २००२ में शीतलबहन के साथ हुई थी। शादी में उनको दो संतान थे। संदीपभाई नागरिकों को विदेश भेजने के व्यवसाय के साथ जुड़े हुए थे, जिसमें पिछले कई दिनों में कर्जा हो जाने से अपनी पत्नी को माइके से पैसे की मदद लाने के लिए कहा था लेकिन वह नहीं ला सकने से अक्सर शारीरिक मानसिक रूप से परेशान किया जाता था और इस मामले में आखिर में गत महीने में नर्मदा नहर में कूदकर पत्नी शीतलबहन ने आत्महत्या कर ली यह शिकायत में आरोप लगाया गया है। यह अपराध में पहले कलोल के एडिशनल सीनियर सीविल न्यायाधीश और ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट डी.एस. ठाकर ने आरोपी पति के सात दिन का रिमांड मंजूर किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)